दिनांक 14.09.2015 को उपायुक्त, चतरा की अध्यक्षता में सम्पन्न समाज कल्याण से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की कार्यवाही :–

01– उपस्थिति पंजी में संधारित है।

कार्यवाही

02– सर्वप्रथम इस जिला अन्तर्गत संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों में सेविका/सहायिका की रिक्ति से संबंधित अद्यतन जानकारी प्राप्त की गई। बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों द्वारा रिक्ति की स्थिति निम्नवत बताया गया :–

क0	परियोजना का नाम	रिक्ति	
		सेविका	सहायिका
1	चतरा ग्रामीण	00	01
2	सिमरिया	02	02
3	टण्डवा	03	00
4	ईटखोरी	00	02
5	हण्टरगंज	02	01
6	प्रतापपुर	01	01
	कुल–	**08**	**07**

रिक्ति के संबंध में बताया गया कि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। समय–समय पर विभिन्न कारणवश सेविका सहायिका का पद रिक्त होता है, परन्तु ऐसा नहीं हो कि सेविका/सहायिका का पद कई महीनों से रिक्त हो और केन्द्र प्रभार में चल रहा हो। प्रयास किया जाना चाहिए कि रिक्ति के विरूद्ध पूरे प्रचार प्रसार के साथ चयन हेतु शीघ्र आम–सभा किया जाय ताकि आंगनबाड़ी केन्द्र का संचालन नियमित एवं सुचारू रूप से हो ।

निदेश दिया गया कि इस माह के अन्त तक रिक्ति के विरूद्ध चयन सुनिश्चित करें। **(अनुपालन–सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी)**

03– निरीक्षण/पर्यवेक्षण :– समीक्षा के क्रम में पाया गया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण/पर्यवेक्षण बाल विकास परियोजना पदाधिकारी तथा महिला पर्यवेक्षिका द्वारा किया जाता है। केन्द्रों के निरीक्षण/पर्यवेक्षण से आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है तथा ग्रामीणों में अच्छा संदेश भी जाता है ।

निदेश दिया गया कि लक्ष्य के विरूद्ध शत–प्रतिशत निरीक्षण करना सुनिश्चित करेंगे एवं इसके उपरान्त इससे संबंधित समेकित प्रतिवेदन तैयार कर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगें। साथ ही निरीक्षण प्रतिवेदन प्रत्येक माह के 5वीं तारीख तक जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, चतरा को उपलबध कराने का निदेश दिया गया ।

(अनुपालन–सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका)

04– मुख्यमंत्री कन्यादान योजना :– जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, चतरा द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2015–16 में कुल 224 लाभुको का लक्ष्य विभाग द्वारा प्रदत्त है। इसके विरूद्ध वर्तमान समय तक सभी परियोजनाओं से कुल 121 लाभुको के आवेदन प्राप्त हुए है। प्राप्त आवेदनों की स्वीकृति से संबंधित कार्रवाई एक सप्ताह के अन्दर करने का निदेश जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को दिया गया। साथ ही शेष आवेदन उपलब्ध कराने का निदेश सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को दिया गया।

(अनुपालन–जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी)

05– मुख्यमंत्री लक्ष्मी लाडली योजना :– गत बैठक में ही सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को बताया गया था कि चूँकि इस योजना के तहत लाभुको की स्वीकृति का कोई लक्ष्य निधारित नहीं है अतएव अधिक से अधिक लाभुको को चिन्हित कर सभी वांछित कागजातो के साथ आवेदन जिला समाज कल्याण कार्यालय चतरा को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें परन्तु वर्तमान समय तक मात्र 638 आवेदन हीं सभी परियोजनाओ से प्राप्त हैं। स्पष्टतः संबंधित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका द्वारा इसमें अभिरूचि नहीं ली जा रही है। फलतः सरकार की कल्याणकारी योजना का लाभ से गरीब वंचित रह जाते हैं। इस योजना के तहत सुयोग्य लाभुकों के आवेदन सृजन की धीमी प्रगति पर काफी नाराजगी व्यक्त करते हुए निदेश दिया गया कि अगले माह की बैठक तक प्रत्येक केन्द्र से कम से कम दो –दो सुयोग्य लाभुकों के आवेदन सृजित कर स्वीकृत्ति हेतु उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे अन्यथा संबंधित महिला पर्यवेक्षिका पर कार्रवाई की जायगी ।

(अनुपालन–सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका)

06– पोषाहार :– समीक्षा के कम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, चतरा द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2015–16 में प्राप्त आवंटन से माह जुलाई 2015 तक का पोषाहार की राशि संबंधित आंगनबाड़ी केन्द्रों के खाता में हस्तांतरित किया गया है।

निदेश दिया गया कि पोषाहार की राशि ससमय आंगनबाड़ी केन्द्रों के खाता में हस्तांतरित करना सुनिश्चित करें।

07– कुपोषण :– उपस्थित सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि जिले में अवस्थित सभी कुपोषण उपचार केन्द्र में कुपोषित बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत है।

अधोहस्ताक्षरी द्वारा बताया गया कि इस जिला में लगभग 40 प्रतिशत बच्चे कुपोषित जन्म लेते हैं जिन्हें कुपोषण उपचार केन्द्र (MTC) में भेजकर सामान्य बच्चों की तरह स्वस्थ किया जा सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि कुपोषित बच्चों का सर्वेक्षण कर उन्हें चिन्हित करते हुए सेविका के माध्यम से इलाज हेतु कुपोषण उपचार केन्द्र (MTC) में भेजा जाय।

08– सेविका/सहायिका का मानदेय :– जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, चतरा द्वारा बताया